भारत का स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र

प्रिलिम्स के लिये:

भारत का स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र, स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम, स्टार्टअप इंडिया पहल, उद्योग 4.0, डिजिटल भारत नवाचार।

मेन्स के लिये:

स्टार्टअप्स का भारत में विकास, चुनौतियाँ और योजनाएँ।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत में **यूनिकॉर्न** की संख्या 100 के आँकड़े तक पहुँच गई है।

- एक यूनिकॉर्न का अर्थ कम-से-कम 7,500 करोड़ रुपए का टर्नओवर वाले स्टार्टअप से है। इन यूनिकॉर्न का कुल मूल्यांकन 330 अरब अमेरिकी डॉलर है, जो 25 लाख करोड़ रुपए से अधिक है।
- भारतीय यूनिकॉर्न की औसत वार्षिक वृद्धि दर अमेरिका, यूके और कई अन्य देशों की तुलना में अधिक है।

यूनिकॉर्न:

- **परिचय:**
  - एक यूनिकॉर्न किसी भी **निजी स्वामित्व वाली फर्म** है जिसका बाज़ार पूंजीकरण **1 बिलियन अमेरिकी डॉलर** से अधिक है।
  - यह अन्य उत्पादों/सेवाओं के अलावा **रचनात्मक समाधान और नए व्यापार मॉडल** पेश करने के लिये समर्पित नई संस्थाओं की उपस्थिति को दर्शाता है।
  - फिनटेक, एडटेक, बिज़नेस-टू-बिज़नेस (B-2-B) कंपनियाँ आदि इसकी कई श्रेणियाँ हैं।
- **विशेषताएँ:**
  - **विभाजनकारी नवाचार:** अधिकतर सभी यूनिकॉर्न उस क्षेत्र में नवाचार लाए हैं जिससे वे संबंधित हैं, उदाहरण के लिये 'उबर' ने आवागमन के स्वरुप को बदल दिया है।
  - **तकनीक संचालित:** यह व्यापार मॉडल नवीनतम तकनीकी नवाचारों और प्रवृत्तियों द्वारा संचालित होता है।
  - **उपभोक्ता-केंद्रित:** इनका लक्ष्य उपभोक्ताओं के लिये कार्यों को सरल बनाना और उनके दैनिक जीवन का हिस्सा बनना है।
  - **वहनीयता :** उत्पादों को वहनीय बनाना इन स्टार्टअप्स की एक प्रमुख विशेषता है।
  - **निजी स्वामित्व:** अधिकांश यूनिकॉर्न निजी स्वामित्व वाले होते हैं, जब एक स्थापित कंपनी इसमें निवेश करती है तो उनका मूल्यांकन और बढ़ जाता है।
  - **सॉफ्टवेयर आधारित:** एक हालिया रिपोर्ट बताती है कि यूनिकॉर्न के 87% उत्पाद सॉफ्टवेयर हैं, 7% हार्डवेयर हैं और बाकी 6% अन्य उत्पाद एवं सेवाएँ हैं।

भारत में स्टार्टअप्स और यूनिकॉर्न की स्थिति:

- **स्थिति:**
  - भारत, अमेरिका और चीन के बाद दुनिया का **तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र** बन गया है।
  - वर्ष 2021 में 44 भारतीय स्टार्टअप ने यूनिकॉर्न का दर्जा हासिल किया है, जिससे यूनिकॉर्न की कुल संख्या 83 हो गई है, जिनमें से अधिकाँश सेवा क्षेत्र में हैं।
  - भारत ने कई रणनीतिक और सशर्त कारणों से यूनिकॉर्न में इतनी तेज़ी से वृद्धि देखी है।
- **विकास का चालक:**
  - **सरकारी सहायता:**
    - भारत सरकार मूल्य शृंखला में विघटनकारी नवप्रवर्तकों के साथ काम करने और सार्वजनिक सेवा वितरण में सुधार के लिये उनके

नवाचारों का उपयोग करने के महत्त्व को समझ रही है।
    - पशुपालन और डेयरी वभिाग ने स्टार्टअप इंडिया के साथ मलिकर 5 श्रेणियों में 10 लाख रुपए के स्टार्टअप को पुरस्कृत करने के लयि एक बड़ी प्रतस्पिर्द्धा का आयोजन कयि है।
  - **डजिटिल सेवाओं को अपनाना:**
    - महामारी के दौरान स्टार्टअप और नए जमाने के उपक्रमों को ग्राहकों के लयि तकनीकी केंद्रति व्यवसाय बनाने में मदद करने वाले उपभोक्ताओं द्वारा डजिटिल सेवाओं को अपनाने में तेजी देखी गई।
  - **ऑनलाइन सेवाएँ और वर्क फ्रॉम होम संस्कृति:**
    - कई भारतीय खाद्य वतिरण और एडु-टेक से लेकर ई-करिाने तक सेवा प्रदाता ऑनलाइन सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं।
    - वर्क फ्रॉम होम संस्कृति ने स्टार्टअप्स के उपयोगकर्त्ता आधार की संख्या बढ़ाने में मदद की और उनकी व्यवसाय वस्तिार योजनाओं में तेज़ी लाकर नविशकों को आकर्षति कयि।
  - **डजिटिल भुगतान:**
    - डजिटिल भुगतान की वृद्धि एक और पहलू है जसिने यूनकिॉर्न को सबसे अधकि सहायता दी।
  - **प्रमुख सार्वजनकि नगिमों से खरीद:**
    - कई स्टार्टअप प्रमुख सार्वजनकि नगिमों से खरीद के परणिामस्वरूप यूनकिॉर्न बन जाते हैं जो आंतरकि वकिास में नविश करने के बजाय अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लयिअधग्रिहण पर ध्यान केंद्रति करना पसंद करते हैं।
- **संबद्ध चुनौतियाँ:**
  - **नविश बढ़ाना स्टार्टअप की सफलता सुनश्चिति नहीं करता:** कोवडि-19 संकट के बीच जब केंद्रीय बैंकों ने वैश्वकि स्तर पर अधकिाधकि मात्रा में तरलता जारी की है, तो पैसा जुटाना कोई कठनि काम नहीं है।
    - स्टार्टअप्स में नविश कयि जा रहे अरबों डॉलर दूरगामी परणिामों का प्रतनिधित्वि करते हैं, न कि राजस्व के माध्यम से मूल्य सृजन।
    - साथ ही इस तरह के नविशों के साथ इन स्टार्टअप्स के गतमिान रहने की उच्च दर की कल्पना नहीं की जा सकती है, क्योंकि इसे मुनाफे से सुनश्चिति कयि जा सकता है।
  - **अंतरक्षि क्षेत्र में भारत अभी भी एक सीमांत खलिाड़ी:** फनिटेक और ई-कॉमर्स क्षेत्र में भारत के स्टार्टअप असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, अंतरक्षि क्षेत्र अभी भी स्टार्टअप के लयि एक बाहरी क्षेत्र बना हुआ है।
    - वर्तमान में वैश्वकि अंतरक्षि अर्थव्यवस्था 440 बलियिन डॉलर की हो चुकी है, जसिमें भारत की हस्सिेदारी 2% से भी कम है।
      - यह परदृिश्य इस तथ्य के बावजूद है कि भारत एंड-टू-एंड क्षमता के साथ उपग्रह नरि्माण, संवर्द्धति प्रक्षेपण यान के वकिास और अंतर-ग्रहीय मशिनों को तैनात करने के मामले में एक अग्रणी अंतरक्षि-अन्वेषी देश है।
    - अंतरक्षि क्षेत्र में स्वतंत्र नजिी भागीदारी की कमी के कारणों में एक ऐसे ढाँचे का अभाव प्रमुख है जो कानूनों के संबंध में पारदर्शति और स्पष्टता प्रदान करे।
  - **भारतीय नविशक जोखमि लेने को तैयार नहीं:** भारत के स्टार्टअप क्षेत्र के बड़े नविशक वदिशों से हैं, जैसे जापान का सॉफ्टबैंक, चीन का अलीबाबा और अमेरकिा का सकिोइया (Sequoia)।
    - ऐसा इसलयि है क्योंकि भारत में एक महत्त्वपूर्ण उद्यम पूंजी उद्योग का अभाव है जो जोखमि लेने को तैयार हो।
    - देश के स्थापति कारोबारी समूह का जुड़ाव प्रायः पारंपरकि व्यवसायों से रहा है।

संबंधति सरकारी पहल:

- **स्टार्टअप इनोवेशन चुनौतियाँ:** यह कसिी भी स्टार्टअप के लयि अपने नेटवर्कगि और फंड जुटाने के प्रयासों का लाभ उठाने का एक शानदार तरीका है।
- **राष्ट्रीय स्टार्टअप पुरस्कार:** यह उन उत्कृष्ट स्टार्टअप और पारस्थितिकिी तंत्र को पहचानने और पुरस्कृत करने का प्रयास करता है जो नवाचार एवं प्रतस्पिर्द्धा को बढ़ावा देकर आर्थकि गतशिीलता में योगदान दे रहे हैं।
- **स्टार्टअप पारस्थितिकिी तंत्र के आधार पर राज्यों की रैंकगि:** यह एक वकिसति मूल्यांकन उपकरण है जसिका उद्देश्य राज्यों और केंद्रशासति प्रदेशों के समर्थन से अपने स्टार्टअप पारस्थितिकिी तंत्र का नरि्माण करना है।
- **SCO स्टार्टअप फोरम:** पहली बार शंघाई सहयोग संगठन (SCO) स्टार्टअप फोरम को सामूहकि रूप से स्टार्टअप पारस्थितिकिी तंत्र को वकिसति करने और सुधार के लयि अक्तूबर 2020 में लॉन्च कयि गया था।
- **प्रारंभ (Prarambh): 'प्रारंभ'** शखिर सम्मेलन का उद्देश्य दुनयि भर के स्टार्ट अप और युवाओं को नए वचिारों, नवाचारों और आवष्किारो हेतु एक साथ आने के लयि मंच प्रदान करना है।

आगे की राह

- स्टार्टअप पारस्थितिकिी तंत्र के त्वरति वकिास के लयि धन की आवश्यकता होती है, इसलयि उद्यम पूंजी और एंजेल नविशकों की भूमकिा महत्त्वपूर्ण होती है।
- उद्यमति को प्रोत्साहति करने वाले नीतगित नरि्णयों के अलावा यह भारत के कॉर्पोरेट क्षेत्र की भी म्मेदारी है कि वह उद्यमति को बढ़ावा दें और प्रभावशाली प्रौद्योगकिी समाधान और टकिाऊ एवं संसाधन-कुशल वकिास के नरि्माण के लयि तालमेल बनाए।
- हाल की घटनाओं ने चीन में पूंजी को लेकर अवश्विास की स्थति उत्पन्न की है, दुनयि का ध्यान भारत में आकर्षक तकनीकी अवसरों एवं सृजति कयि जा सकने वाले मूल्य पर केंद्रति हो रहा है। इसके लयि भारत को डजिटिल इंडिया पहल के अलावा नरि्णायक नीतगित उपायों की आवश्यकता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-startup-ecosystem-1